भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1990

जिसका उत्तर 30.07.2026 को दिया जाना है

ई20 ईंधन पर एआरएआई का अध्ययन

†1990. एडवोकेट चन्द्र शेखर:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने 2021 ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के अध्ययन के निष्कर्षों की जांच की है जिसमें यह दर्शाया गया है कि ई-20 ईंधन से पुराने ई-10 के अनुरूप डिजाइन किए गए वाहनों में गैर-धातु रबड़ आधारित ईंधन प्रणाली के पुर्जों जैसे ओ-रिंग, गास्केट और होसेस में तेजी से मात्रा में परिवर्तन और खराबी हो सकती है;

(ख) क्या सरकार का पुराने वाहनों के मालिकों को ऐसे कलपुर्जों के निवारक निरीक्षण या प्रतिस्थापन के संबंध में कोई सलाह जारी की है अथवा जारी करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) उक्त अध्ययन को प्रारंभिक चरण में सार्वजनिक न किए जाने के क्या कारण हैं और ईंधन अनुकूलता और वाहन सुरक्षा के संबंध में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) नीति आयोग, ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी) और अन्य तकनीकी संस्थानों को शामिल करते हुए एक चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से मान्य और परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम शुरू किया है।

भारत में, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम 2001 में एक प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) के रूप में शुरू हुआ, 2006 में ई5 शुरू किया गया और यद्यपि 2013-14 में मिश्रण लगभग 1.53% रहा, आवश्यक उत्पादन क्षमता, बुनियादी ढांचे के निर्माण और नियामक ढांचा बनाने के बाद इसे धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से बढ़ाया गया है।

ई15+ मिश्रित पेट्रोल का साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय से और ई19-ई20 ईंधन का ढाई वर्ष से अधिक समय से व्यापक उपयोग हो रहा है। 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 3 करोड़ से अधिक पेट्रोल कारें इन मिश्रित ईंधनों से चल रही हैं और इथेनॉल मिश्रण के कारण व्यापक रूप से इंजन की खराबी या

वाहन के टूटने का कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है। विनिर्माता के सर्विस डेटा से इस बात की पुष्टि होती है कि ई20 ईंधन के कारण असामान्य जंग, घिसाव या वाहन के जीवनकाल में कमी नहीं होती है। विनिर्माताओं ने ई20 ईंधन का उपयोग करने वाले वाहनों के लिए अपने वारंटी दायित्वों को जारी रखा है, जिससे इसकी सुरक्षा और विश्वसनीयता में और अधिक भरोसा बढ़ता है।

बीएस-III, बीएस-IV और बीएस-VI ई10 (गैसोलीन) दोपहिया और चारपहिया वाहनों पर ई20 के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) देहरादून, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा संयुक्त रूप से एक अध्ययन किया गया था। अध्ययन में संबंधित प्रमाणन आवश्यकताओं के अनुसार मानक परीक्षण और मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) के साथ तैयार किए गए विशिष्ट रूप से बनाए गए परीक्षण प्रोटोकॉल शामिल थे। मानक परीक्षणों के अनुसार निकास (एग्जास्ट) उत्सर्जन संबंधित मानकों को पूरा करता है (अर्थात् ई20 से परीक्षण किए जाने पर बीएस VI वाहन के उत्सर्जन मानकों को पूरा करते हैं)। वाहन की ईंधन दक्षता वाहन श्रेणी और मॉडल के आधार पर 2 से 6% तक कम होती है। डायनेमोमीटर पर इंजन स्थायित्व परीक्षण और सड़क पर वाहन परीक्षणों में ई20 के कारण कोई खराबी नहीं पाई गई है।

ई10 ईंधन की तुलना में ई20 ईंधन से अधिक गति बढ़ती (एक्सलरेशन), बेहतर चालन गुणवत्ता आती है और लगभग 30% कम कार्बन उत्सर्जन करता है। उच्च इथेनॉल मिश्रण स्वच्छ और अधिक पूर्ण दहन को भी सुगम बनाता है।

*****